SAMPLE CONTENT

हिंदी (LL)

व्याकरण व लेखन

चंद्रभूषण शुक्ल
B.Ed, B.M.M.- Journalism

ज्योति नाविक
M.A., B.Ed.

कक्षा पाँचवीं

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ०४
द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर आधारित

हिंदी (LL)

व्याकरण व लेखन

कक्षा पाँचवीं

विशेषताएँ

- अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- व्याकरण के घटकों का आवश्यकतानुसार समावेश
- उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह
- लेखन के विभिन्न आवश्यक घटकों का समावेश
- स्वयं मूल्यांकन हेतु स्वाध्याय के उत्तरों का समावेश
- शैक्षणिक वर्ष में व्याकरण व लेखन संपूर्ण तैयारी हेतु उपयुक्त

Sample Content

Printed at: **India Printing Works,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 2031** P.O. No. 2105

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियो!

शिक्षा के एक नए शुभारंभ की ढेरों बधाइयाँ। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत हो चुकी है। इस नव वर्ष में विद्यार्थी हिंदी भाषा को एक नए दृष्टिकोण से देखेंगे। यहाँ उनका साक्षात्कार व्याकरण के विभिन्न घटकों के साथ ही लेखन की नई-नई विधाओं से होगा। इससे विद्यार्थियों का उल्लास और रोमांच तो बढ़ेगा साथ ही उनका ज्ञानवर्धन भी होगा। इस नए पड़ाव पर विद्यार्थियों का संपूर्ण मार्गदर्शन करने हेतु **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी (LL) व्याकरण व लेखन कक्षा पाँचवीं** पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका कक्षा पाँचवीं की पाठ्यपुस्तक पर आधारित है। इसकी सहायता से विद्यार्थी व्याकरण व लेखन से संबंधित सभी आवश्यक घटकों की पूर्ण जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

किसी भी भाषा को पूरी तरह से समझने के लिए उसके व्याकरण व लेखन की विधाओं का ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक होता है। इस कक्षा में विद्यार्थी व्याकरण व लेखन के बारे में जानकारी प्राप्त करते समय थोड़ा-सा भी अरुचि न महसूस करें, इसका पूरा ध्यान इस पुस्तिका के निर्माण में किया गया है। इसके फलस्वरूप व्याकरण व लेखन के सभी घटकों का विस्तारित रूप से सरल भाषा में समझाया गया है। इसके अलावा अध्ययन में विद्यार्थियों की रुचि बनाए रखने हेतु आवश्यकतानुसार विभिन्न घटकों का चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण भी किया गया है। इस पुस्तिका में व्याकरण व लेखन इन दोनों घटकों को संयुक्त रूप से प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का संपूर्ण मार्गदर्शन करने का प्रयास किया गया है। इसके सतत अभ्यास से विद्यार्थी निश्चय ही मनचाही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ पाठ्यपुस्तक में वर्णित व्याकरण के सभी घटकों पर आधारित अभ्यास भी दिए गए हैं। जहाँ उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने के साथ ही उनके उत्तर भी दिए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को स्वत: अभ्यास करने की प्रेरणा मिलेगी।

शैक्षणिक वर्ष में हिंदी व्याकरण व लेखन की पूरी तैयारी करने हेतु निर्माण की गई यह पुस्तिका आप सभी के हाथों में सौंपते हुए हमें बहुत ही खुशी हो रही है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी। इसके साथ ही यह पुस्तिका उनका सही दिशा में मार्गदर्शन भी करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सभी अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता **mail@targetpublications.org**

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: प्रथम

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी सुलभभारती; २०१५, पाँचवाँ पुनर्मुद्रण: २०२०' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Sample Content

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
	व्याकरण-विभाग	
१.	वर्णमाला भाग १	१
२.	वर्णमाला भाग २	४
३.	वर्णमाला भाग ३	६
४.	शब्द, पद और वाक्य	[illegible]
५.	लिपि, लिप्यंतरण व अनुवाद	१२
६.	संज्ञा	१४
७.	सर्वनाम	१८
८.	विशेषण	२१
९.	क्रिया	२४
१०.	काल	२७
११.	विरामचिह्न	३०
१२.	शुद्धाक्षरी लेखन	३४
१३.	समानार्थी शब्द	३६
१४.	विरुद्धार्थी शब्द	३९
१५.	लिंग	४२
१६.	वचन	४५
१७.	उपसर्ग	४७
१८.	प्रत्यय	४९
१९.	समरूप भिन्नार्थक शब्द	५०
२०.	हिंदी-मराठी समोच्चारित भिन्नार्थी शब्द	५४
२१.	[illegible]	५६
२२.	लयात्मक शब्द	५८
२३.	उपयोगी जानकारी	५९
	उत्तर	६२
	लेखन-विभाग	
१.	बधाई-कार्ड	६७
२.	पत्र-लेखन	६९
३.	कहानी-लेखन	७५
४.	निबंध-लेखन	८५

Sample Content

व्याकरण-विभाग

१ वर्णमाला भाग १

किसी भी भाषा को सीखने से पहले उसके व्याकरण की जानकारी होनी आवश्यक है। हिंदी व्याकरण की शुरुआत वर्णमाला से होती है। इसकी लिपि देवनागरी है।

हिंदी वर्णमाला

		अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	स्वर
		ऋ	ए	ऐ	ओ	औ		स्वर
		अं	अः	अयोगवाह				
		अँ	ऑ					
क वर्ग	-	क	ख	ग	घ	ङ		व्यंजन
च वर्ग	-	च	छ	ज	झ	ञ		व्यंजन
ट वर्ग	-	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़ ढ़	व्यंजन
त वर्ग	-	त	थ	द	ध	न		व्यंजन
प वर्ग	-	प	फ	ब	भ	म		व्यंजन
	-	य	र	ल	व			व्यंजन
	-	श	ष	स	ह	ळ		व्यंजन
	-	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	संयुक्त व्यंजन		

सूचना: इन व्यंजनों में उच्चारण की सरलता के लिए 'अ' स्वर मिला दिया गया है। जब व्यंजन में कोई स्वर नहीं जुड़ा होता तब उसके नीचे एक तिरछी रेखा खींच देते हैं, जिसे 'हल' या 'हलंत' कहते हैं।

उदाहरण: [illegible] थ्, न्, [illegible] स्, व्, ह् आदि।

वर्ण	हिंदी वर्णमाला की सबसे छोटी इकाई को **ध्वनि** या **वर्ण** कहते हैं।
वर्णमाला	वर्णों के समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।
स्वर	जिन वार्णों को स्वतंत्र रूप से बोला जाता है, उन्हें **स्वर** कहते हैं। **उदाहरण:** अ, आ, इ आदि
अयोगवाह	अनुस्वार (ं) व विसर्ग (:) को **अयोगवाह** कहते हैं। ये दोनों न ही स्वर हैं और न ही व्यंजन हैं, परंतु ये स्वर के सहारे बोले जाते हैं।

Sample Content

व्यंजन	जिन वर्णों को स्वरों की सहायता से बोला जाता है, उन्हें **व्यंजन** कहते हैं। **उदाहरण:** क् + अ = क, प् + अ = प आदि।
संयुक्त व्यंजन	दो व्यंजनों से मिलकर बने व्यंजन को **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं। **उदाहरण:** क् + ष = क्ष, त् + र = त्र, ज् + ञ = ज्ञ, श् + र = श्र
उच्चारण स्थान	मुख के जिस भाग से वर्ण को बोला जाता है, उसे उस वर्ण का **उच्चारण स्थान** कहते हैं।

उच्चारण स्थान की तालिका

क्र.	स्थान	स्वर/अयोगवाह	व्यंजन
१	**कंठ** – जिनका उच्चारण कंठ से होता है।	अ, आ, अः	क, ख, ग, घ, ह
२	**तालु** – जिनका उच्चारण तालु से होता है। तालु अर्थात जीभ के ठीक ऊपर वाला गहरा भाग।	इ, ई	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
३	**मूर्धा** – जिनका उच्चारण मूर्धा से होता है। मूर्धा अर्थात तालु के ऊपरी भाग से लेकर ऊपर के दाँतों तक का भाग।	ऋ	ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष, ड़, ढ़
४	**दंत** – जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगने से होता है।	–	त, थ, द, ध, न, ल, स
५	**ओष्ठ** – जिनका उच्चारण ओठों से होता है।	उ, ऊ	प, फ, ब, भ
६	**नासिका** – जिनका उच्चारण नासिका (नाक) से होता है।	अं, अँ	ङ, ञ, ण, न, म
७	**कंठतालु** – जिनका उच्चारण कंठ और तालु से होता है।	ए, ऐ	–
८	**कंठोष्ठ्य** – जिनका उच्चारण कंठ और ओठों से होता है।	ओ, औ	–
९	**दंतोष्ठ्य** – जिनका उच्चारण दाँतों और ओठों से होता है।	–	व

सूचना: हिंदी भाषा के विकास व आवश्यकता के चलते हिंदी वर्णमाला में अँ और ऑ स्वर सहित ड़, ढ़ व ळ व्यंजन जुड़ गए हैं।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित अधूरी वर्णमाला पूर्ण कीजिए:

अ ------ इ ------ उ ------ ऋ

------ ऐ ------ औ ------ अः ------ ऑ

क ------ ग ------ ङ

------ छ ------ झ ------

ट ------ ड ------ ण ------ ढ़

Sample Content

____	थ	____	ध	____
प	____	ब	____	म
____	र	____	व	
श	____	स	____	ळ
____	त्र	____	श्र	

२ निम्नलिखित वर्णों में से स्वर अलग करके लिखिए:

क ऋ च न ओ ऐ आ प उ ल इ

उत्तर: ____________________

३ नीचे दिए गए फलों को छाँटकर उन्हें उचित टोकरी में रखिए:

ल ऊ ब

स म अ

आ इ न

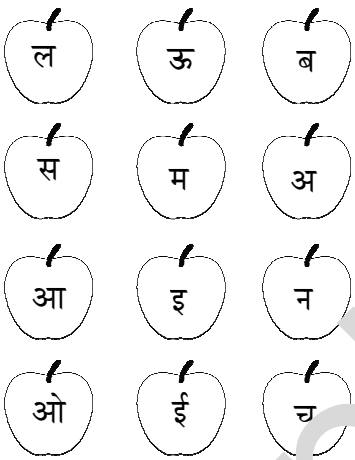

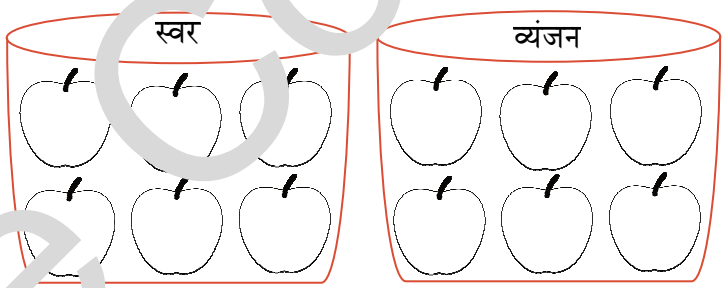

ओ ई च

४ निम्मिलिखित वर्णों से संयुक्त व्यंजन बनाइए:

क् + ष् = ________ त् + र् = ________

ज् + ञ् = ________ श् + र् = ________

Sample Content

२ वर्णमाला भाग २

अनुस्वार (ं)

इसे **अनुस्वार** कहते हैं। इसका उच्चारण नाक से होता है।
उदाहरण: कंगन, बंदर, अंग, मंच आदि।

अनुनासिक (ँ)

इसे **अनुनासिक** कहते हैं। इसका उच्चारण नाक और गले दोनों की सहायता से होता है। [illegible]
चंद्रबिंदु भी कहा जाता है।
उदाहरण: चाँद, साँप, आँगन, गाँव आदि।

विसर्ग (:)

इसे **विसर्ग** कहते हैं। इसका उच्चारण गले की सहायता से होता है।
उदाहरण: अतः, पुनः, प्रातः, स्वतः आदि।

अर्धचंद्र (ॅ)

इसे **अर्धचंद्र** कहते हैं। इसका प्रयोग आ तथा ओ के बीच की [illegible] के लिए [illegible]या जाता है। सामान्यत: इसका प्रयोग अंग्रेजी भाषा से हिंदी भाषा में आए शब्दों के [illegible] के लिए किया जाता है।
उदाहरण: ऑक्सीजन, ऑफिस, डॉक्टर, फुटबॉ[illegible] आदि।

नुक्ता (.)

कुछ वर्णों के नीचे लगने वाले बिंदु [illegible] **नुक्ता** कहते हैं। इसका प्रयोग अरबी और फारसी भाषा से हिंदी भाषा में आए कुछ शब्दों के उच्चारण में कि[illegible] जाता है। नुक्[illegible] क, ख, ग, ज और फ वर्ण के नीचे ही लगता है।
उदाहरण: क़लम, ख़त, ग़म, ज़बान, [illegible] आदि।

स्[illegible]ध्याय

१ ‘ ं ’ या ‘ ँ ’ लगाकर निम्[illegible] श[illegible] पूर्ण कीजिए:

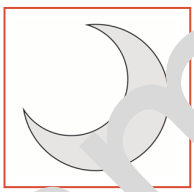

क[illegible] चाद

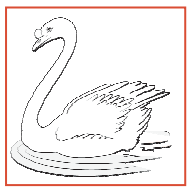

ख. बदर

ग. हस

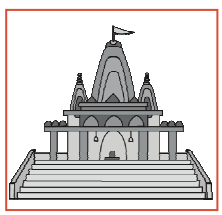

घ. आख

च. बास

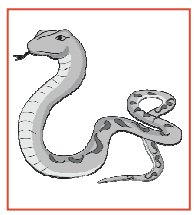

छ. मदिर

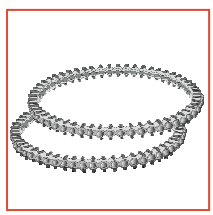

ज. साप

झ. कगन

Sample Content

२ ‘:’ या ‘ॅ’ लगाकर निम्नलिखित शब्द पूर्ण कीजिए:

क. हाकी _____ ख. प्रात _____ ग. स्वत _____ घ. डाक्टर _____

च. बाल _____ छ. अत _____ ज. आक्सीजन _____ झ. पुन _____

३ सही जगह नुक्ता (़) लगाकर निम्नलिखित अधूरे शब्द पूर्ण कीजिए:

क. नजर _____ ख. गम _____ ग. जबान _____ घ. नेत्र _____

च. जोर _____ छ. जमीन _____ ज. फकीर _____ झ. फिदा _____

४ नीचे दिए गए शब्दों को छाँटकर सही जगह पर लिखि :

चंदन, नम:, चॉक, आँगन, प्राय:, बॉक्स, दाँत, आज़ाद, गंध, गज़ल

अनुस्वार	अनुना क/चंद्र ड़	विसर्ग	अर्धचंद्र	नुक्ता

Sample Content

३ वर्णमाला भाग ३

'र' के रूप

हिंदी वर्णमाला में 'र' व्यंजन की विशेषता यह है कि यह मात्रा के रूप में दूसरे व्यंजन के साथ जुड़ता है। इसका उच्चारण तीन तरह से होता है।

१. बिना स्वर वाले 'र्' को रेफ कहते हैं। इसे अगले वर्ण के ऊपर (र्‍) के रूप में लिखा जाता है, लेकिन इसका उच्चारण वर्ण के पहले होता है।

उदाहरण: अ + र् + थ = अर्थ   ध + र् + म = धर्म   प + र् + व = पर्व   क + र् + म = कर्म

२. जब 'र' से पहले यदि कोई पाई वाला (।) बिना स्वर का व्यंजन हो तब यह उस व्यंजन में (्र) के रूप में जुड़ जाता है।

उदाहरण: क् + र + म = क्रम   प् + र + ण = प्रण   ग् + र + ह = ग्रह   भ् + र + म = भ्रम

३. जब 'र' से पहले यदि कोई बिना पाई वाला (।) बिना स्वर का व्यंजन हो तब यह उस व्यंजन के नीचे (‸) के रूप में जुड़ जाता है।

उदाहरण: ट् + र + क = ट्रक   ड् + र + म = ड्रम

ध्यान दें:

- **त् और श् के बाद 'र' का प्रयोग**
  जब त् और श् के बाद 'र' का प्रयोग होता है तब वे संयुक्त व्यंजन बन जाते हैं।

  उदाहरण: त् + र = त्र   श् + र = श्र

- **ह् के बाद 'र' का प्रयोग**
  जब ह् के बाद 'र' का प्रयोग होता है, तब यह ह् के भीतर एक तिरछी रेखा के रूप में जुड़ जाता है।

  उदाहरण: ह् + र = ह्र

संयुक्ताक्षर

बिना स्वर का व्यंजन जब किसी अक्षर से जुड़ता है, तो **संयुक्ताक्षर** का निर्माण होता है।

उदाहरण: न् + न = न्न   च् + च = च्च   च् + छ = च्छ

नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरों के उदाहरण ध्यानपूर्वक पढ़िए व समझिए:

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द	क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द	क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
१	क्क	चक्कर, शक्कर	६	ख्त	तख्त, सख्त	११	च्छ	मगरमच्छ, मच्छर
२	क्ख	मक्खन, मक्खी	७	ख्य	विख्यात, ख्याति	१२	ज्ज	सज्जा, लज्जा
३	क्त	भक्त, रक्त	८	ग्न	अग्नि, मग्न	१३	ज्व	ज्वार, ज्वलन
४	क्य	क्या, क्यारी	९	ग्य	आरोग्य, भाग्य	१४	ट्ट	पट्टी, मिट्टी
५	क्ल	शक्ल, अक्ल	१०	च्च	सच्चा, कच्चा	१५	ट्ठ	गट्ठर, मुट्ठी

Sample Content

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
१६	ड्ड	हड्डी, लड्डू
१७	ड्ढ	बुड्ढा, गड्ढा
१८	त्त	छत्ता, पत्ता
१९	त्थ	कत्था, पत्थर
२०	त्म	आत्मा, परमात्मा
२१	त्य	सत्य, नृत्य
२२	द्द	गद्दा, भद्दा
२३	द्ध	बुद्ध, युद्ध

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
२४	द्य	विद्या, विद्यालय
२५	द्व	द्वार, द्वापर
२६	ध्य	ध्यान, ध्येय
२७	न्न	अन्न, भिन्न
२८	न्य	वन्य, न्याय
२९	प्त	गुप्त, प्राप्त
३०	प्प	चप्पल, पप्पू
३१	फ्त	दफ्तर, मुफ्त

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
३२	ब्ब	गुब्बारा, डिब्बा
३३	म्म	चम्मच, सम्मान
३४	य्य	शय्या, भैय्या
३५	ल्ल	बिल्ली, दिल्ली
३६	श्य	श्याम, श्यामल
३७	श्व	अश्व, [illegible]
३८	श्ल	श्लोक, श्लेष
३९	[illegible]	जुल्म, [illegible]

वर्ण-विच्छेद

किसी शब्द के सभी वर्णों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया को **वर्ण-विच्छेद** कहते हैं।

उदाहरण:

कमल = क् + अ + म् + अ + [illegible] + अ

कबूतर = क् + अ + ब् + ऊ + त् + अ + [illegible] + अ

बेवजह = ब् + ए + व् + अ + ज् + अ + ह् + अ

सोना = स् + ओ + न् + आ

स्वाध्याय

१ नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखिए:

क. च + क् + र = ----------

ख. प + र् + व + त = ----------

ग. सू + र् + य = ----------

घ. ट् + र + क = ----------

च. ग् + र + [illegible] = ----------

छ. प + र् + व = ----------

ज. स + [illegible] + प = ----------

झ. भ् + र + म = ----------

ट. ड् + र + [illegible] = ----------

ठ. व + क् + र = ----------

२ 'र' के विभिन्न रूपों (् / ़ / ˘) का प्रयोग कर शब्द पूर्ण कीजिए:

क. चचा ----------

ख. पणाम ----------

ग. शत ----------

घ. वत ----------

च. चरणस्पश ----------

छ. राष्ट ----------

ज. तीथयात्रा ----------

झ. भद ----------

ट. गंथ ----------

ठ. समुद ----------

ड. भम ----------

ढ. कोध ----------

Sample Content

३ निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए:

(मेट्रो, दर्जी, चंद्रमा, महाराष्ट्र, इंद्रधनुष, कर्तव्य, प्रदूषण, नेत्रदान, अग्रसर, राष्ट्रीय)

क. ---------------- कपड़े सिलता है।

ख. ---------------- सबसे श्रेष्ठ दान है।

ग. रमेश ---------------- रेल से वसई गया।

घ. माता-पिता की सेवा करना सबका ---------------- होता है।

च. आकाश में ---------------- सुंदर दिख रहा है।

छ. बाघ हमारा ---------------- पशु है।

ज. ---------------- में सात रंग होते हैं।

झ. पेड़-पौधे लगाकर ---------------- को रोकना चाहिए।

ट. ---------------- की राजधानी मुंबई है।

ठ. हमारा देश विकास की दिशा में ---------------- है।

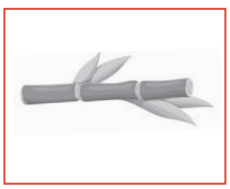

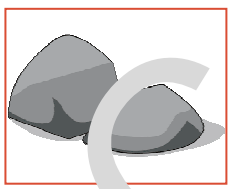

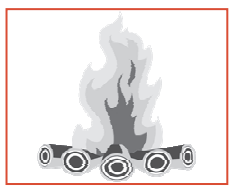

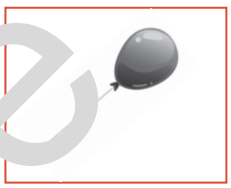

४ चित्र देखकर उचित संयुक्ताक्षर लिखिए:

क.

ग ----------------

ख.

प ---------------- र

ग.

अ ----------------

घ.

बि ----------------

च.

गु ---------------- रा

छ.

नृ ----------------

५ निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से दो-दो शब्द बनाइए:

क. क्क ----------------

ख. स्त ----------------

ग. [illegible] ----------------

घ. फ्त ----------------

च. त्म ----------------

छ. ल्म ----------------

ज. द्दा ----------------

झ. क्त ----------------

६ निम्नलिखित शब्दों में आए संयुक्ताक्षर पर ◯ बनाइए:

क.	अन्न	ख.	न्याय	ग.	सत्य	घ.	अश्व	च.	पत्ता
छ.	चिह्न	ज.	स्याही	झ.	ज्वलन	ट.	रक्त	ठ.	ब्रज

Sample Content

७ निम्नलिखित वर्णों के विच्छेद से सार्थक शब्द बनाइए:

क. स् + औ + ज् + अ + न् + य् + अ = _____

ख. र् + अ + व् + इ + व् + आ + र् + अ = _____

ग. ब् + ऐ + ठ् + अ + क् + अ = _____

घ. अ + म् + ऋ + त् + अ = _____

च. च् + अ + त् + उ + र् + अ = _____

छ. च् + ऊ + र् + अ + न् + अ = _____

ज. न् + औ + ज् + अ + व् + आ + न् + अ = _____

झ. प् + उ + र् + ओ + ह् + इ + त् + अ = _____

ट. ब् + ऐ + ल् + अ = _____

ठ. श् + ए + र् + अ + न् + ई = _____

८ निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए:

क. टपकना = _____

ख. झुकाव = _____

ग. जाति = _____

घ. बनिया = _____

च. मोहक = _____

छ. जय = _____

ज. विवचन = _____

झ. साझेदार = _____

ट. दिवसीय = _____

ठ. दीदार = _____

Sample Content

AVAILABLE BOOKS FOR STD. V:

NOTES

ENG. MED.
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- Environmental Studies (Part ONE & TWO)
- Mathematics

MAR. MED.
- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- परिसर अभ्यास (भाग १)
- परिसर अभ्यास (भाग २)
- गणित

WORKBOOK

ENG. MED.
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- Environmental Studies (Part ONE)
- Environmental Studies (Part TWO)
- Mathematics

MAR. MED.
- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- परिसर अभ्यास (भाग १)
- परिसर अभ्यास (भाग २)
- गणित

AVAILABLE BOOKS FOR STD. VI:

NOTES

ENG. MED.
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History-Civics & Geography
- General Science
- Mathematics

MAR. MED.
- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास, नागरिकशास्त्र व भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

WORKBOOK

ENG. MED.
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History-Civics
- Geography
- General Science
- Mathematics

MAR. MED.
- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास व नागरिकशास्त्र
- भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

OUR PRODUCT RANGE

- Children Books
- School Section
- Junior College
- Degree College
- Entrance Exams
- Stationery

ADDITIONAL BOOK

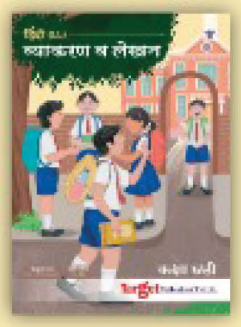

Explore our range of STATIONERY

BUY NOW

Target Publications® Pvt. Ltd.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org